आधुनिकीकरण के आयाम (Dimensions of Modernization)

आधुनिकीकरण के पाँच प्रमुख आयाम हैं, जैसे– प्रौद्योगिक, आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक। इन पाँचों आयामों के अन्तर्गत आधुनिकीकरण की प्रक्रिया के अलग-अलग कुछ खास सूचक हैं, जो इस प्रकार हैं–

(1) **प्रौद्योगिकी (Technology)**

(क) ऊर्जा के निर्जीव स्रोत का अधिकतम उपयोग (Greater Use of Inanimate Sources of Energy),

(ख) आधुनिक यंत्रों का उपयोग (Use of Modern Technology), एवं

(ग) भारी प्रौद्योगिकी की स्थापना (Establishment of Heavy Industries)।

Scanned with CamScanner

(2) आर्थिक (Economic)

(क) बाजारू अर्थव्यवस्था (Market Economy),

(ख) पूँजी का विकास (Development of Capital),

(ग) उपभोग की वस्तुओं का अधिकतम प्रयोग (Greater Use of Commodities), एवं

(घ) उपभोक्तावाद (Consumerism) को अधिकतम बढ़ावा या उपभोग।

(3) राजनीतिक (Political)

(क) स्वतंत्रता (Freedom),

(ख) व्यक्तिवादिता (Individualism),

(ग) लोकतंत्र (Democracy), एवं

(घ) सहभागिता (Participation) को बढ़ावा।

(4) सामाजिक (Social)

(क) गतिशीलता (Social Mobility),

(ख) व्यावसायिक विभेदीकरण (Occupational Differentiation),

(ग) सार्वभौमवाद (Universalism),

(घ) विशिष्टता (Specialization),

(ङ) नगरीय-औद्योगिक संस्कृति (Urban-Industrial Culture), एवं

(च) साक्षरता एवं आधुनिक शिक्षा (Mass Literacy and Modern Education) में वृद्धि।

(5) मनोवैज्ञानिक (Psychological)

(क) विश्वजनीन विचार (Cosmopolitan Outlook),

(ख) उपलब्धि की मनोवृत्ति (Achievement Orientation), एवं

(ग) परानुभूति (Empathy)।

Scanned with CamScanner

आधुनिकीकरण को बढ़ाने के कुछ उपाय (Measures of Modernization)

परम्परागत समाज में परिवर्तन की गति को तेज किया जा सकता है। इस विषयवस्तु पर विचार करते हुए रस्तो एवं वार्ड (Rustow and Ward, 1964) ने कुछ उपायों को बताया, जो संक्षेप में इस प्रकार हैं–

1. आधुनिकीकरण की प्रक्रिया को बढ़ाने के लिए उद्योगीकरण को बढ़ावा देना आवश्यक है। इसके बिना उत्पादन में वृद्धि नहीं की जा सकती है। कृषि क्षेत्र में विकास के लिए उद्योगीकरण को बढ़ावा बहुत आवश्यक है।

2. परम्परागत समाज में बहुत किस्म के अंधविश्वास और धर्मान्धता की भावना पायी जाती है। अतः आधुनिकीकरण के लिए बहुत जरूरी है कि धर्मनिरपेक्षता (Secularism) की भावना को बढ़ाया जाय।

Scanned with CamScanner

3. भौगोलिक गतिशीलता (Geographical Mobility or Migration) एवं सामाजिक गतिशीलता (Social Mobility) को बढ़ावा देने की जरूरत है।

4. वैज्ञानिक तथा तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देना आधुनिकीकरण के लिए बहुत जरूरी है। धार्मिक शिक्षा के द्वारा आधुनिकीकरण नहीं लाया जा सकता है।

5. आरोपित (Ascribed) सामाजिक स्थिति की जगह अर्जित (Achieved) सामाजिक स्थिति को बढ़ावा देना होगा। आधुनिकीकरण के लिए यह आवश्यक है कि व्यक्तियों के गुणों या योग्यता के आधार पर समाज में उसे समुचित स्थान मिले (Meritocracy), आधुनिक समाज का यह प्रमुख लक्षण है कि सामाजिक स्थितियों का आधार व्यक्ति का अर्जित गुण होता है।

6. ऊर्जा के अचेतन (Inanimate) स्रोतों में वृद्धि, जैसे– कोयला, प्रेट्रोल, अणुशक्ति इत्यादि।

7. कृषि से जुड़े कार्यों में कामकाजी लोगों का अनुपात सापेक्षिक रूप से कम करना तथा औद्योगिक एवं व्यवसायिक क्षेत्रों में कामकाजी लोगों के अनुपात में वृद्धि लाना।

8. नगरीकरण के स्तर को ऊँचा उठाना।

9. शिक्षा के स्तर को ऊँचा उठाना।

10. प्रति व्यक्ति राष्ट्रीय उत्पादन में वृद्धि कर जीवन स्तर को ऊपर उठाना।

11. दूरसंचार के माध्यमों में इतनी वृद्धि करना कि कोई भी व्यक्ति आसानी से अपनी राष्ट्रीय समस्याओं पर विचार जान सके या व्यक्त कर सके।

12. स्वास्थ्य सम्बन्धी सेवाएँ इतना अधिक उपलब्ध कराना कि लोगों की जीवित रहने की संभावना में वृद्धि हो।

Scanned with CamScanner